1. **"दृढमानसाः" इत्यस्य अर्थः कः?**
   A. चञ्चलचित्ताः
   B. दृढसंकल्पिनः
   C. भयभीताः
   D. आलसिनः (B)

व्याख्या : "दृढमानसाः" का अर्थ है जिनका मन दृढ़ हो। यहाँ विद्यार्थियों या वीरों के अटल संकल्प और मजबूत मनोबल का वर्णन किया गया है।

2. **"गतलालसाः" इत्यस्य अर्थः कः?**
   A. लोभरहिताः
   B. क्रोधयुक्ताः
   C. दुःखिताः
   D. भययुक्ताः (A)

व्याख्या : "गतलालसाः" का अर्थ है जिनमें लालच न हो। पाठ में ऐसे आदर्श व्यक्तियों का वर्णन है जो लोभ से दूर रहते हैं।

3. **"प्रियसाहसाः" के कथं भवन्ति?**
   A. साहसविमुखाः
   B. साहसयुक्ताः
   C. निद्रालवाः
   D. कलहप्रियाः (B)

व्याख्या : "प्रियसाहसाः" का अर्थ है जो साहस को प्रिय मानते हैं, अर्थात् साहसी होते हैं। यह गुण वीरता और निर्भीकता को प्रकट करता है।

4. **गीतानुसारं वयं कीदृशाः स्मः?**
   A. जनसेवकाः
   B. स्वार्थिनः
   C. प्रमादिनः
   D. क्लान्ताः (A)

व्याख्या : गीत में कहा गया है कि हम "जनसेवकाः" हैं। इसका भाव यह है कि आदर्श जीवन में समाज-सेवा और लोककल्याण का महत्त्व है।

5. **"अप्रतिभावुकाः" इत्यस्य आशयः कः?**
   A. शीघ्रं विचलिताः
   B. निर्भयाः स्थिरचित्ताः च
   C. रोदनशीलाः
   D. संशययुक्ताः (B)

व्याख्या : "अप्रतिभावुकाः" का भाव है कि वे कठिन परिस्थिति में घबराने वाले नहीं होते। वे धैर्यवान, स्थिर और साहसी रहते हैं।

6. **"धनकामना सुखवासना न च वञ्चना हृदये" इत्यनेन किं ज्ञायते?**
   A. तेषां हृदये लोभः वर्तते
   B. तेषां हृदये कपटं नास्ति
   C. ते केवलं सुखम् इच्छन्ति
   D. ते परेषां धनम् हरन्ति (B)

व्याख्या : इस पंक्ति का अर्थ है कि उनके हृदय में न धन का लोभ है, न केवल सुख की इच्छा, और न ही छल-कपट। यह आदर्श चरित्र का चित्रण है।

7. **"ऊर्जस्वलाः विजस्वलाः" इत्यनेन केषां गुणाः सूचिताः?**
   A. जाड्यं च दुर्बलता च
   B. स्फूर्तिः तेजश्च
   C. आलस्यं मोहश्च
   D. निद्रा तन्द्रा च (B)

व्याख्या : "ऊर्जस्वलाः" का अर्थ है ऊर्जावान और "विजस्वलाः" का अर्थ तेजस्वी। यहाँ उत्साह, शक्ति और तेज का गुण बताया गया है।

8. **"गतभीतयः" इत्यस्य अर्थः कः?**
   A. भयरहिताः
   B. भयपूर्णाः
   C. क्रूराः
   D. मन्दबुद्धयः (A)

व्याख्या : "गतभीतयः" का अर्थ है जिनका भय दूर हो गया हो, अर्थात् निर्भय। गीत में वीरता और निडरता का यही भाव व्यक्त हुआ है।

9. **"समराङ्गणम्" इत्यस्य अर्थः कः?**
   A. विद्यालयः
   B. उद्यानम्
   C. युद्धक्षेत्रम्
   D. देवालयः (C)

व्याख्या : "समराङ्गणम्" का अर्थ है युद्ध का मैदान। इस शब्द से संघर्ष, पराक्रम और विजय के लिए तत्परता का बोध होता है।

10. **"जगदीश हे! परमेश हे! सकलेश हे! भगवन्" इत्यस्मिन् श्लोके किम् प्रार्थ्यते?**
    A. केवलं धनम्
    B. जयमङ्गलं परमोज्ज्वलं
    C. दीर्घनिद्रा
    D. सुखवासना (B)

व्याख्या : इस प्रार्थना में भगवान से "जयमङ्गलं परमोज्ज्वलं" देने की विनती की गई है। इसका अर्थ है उज्ज्वल विजय, मंगल और श्रेष्ठ सफलता की कामना।